॥ श्री ॥

ललितललाम

ललितकौमुदी टीका सहित ।

प्रसिद्ध कवि श्रीमतिरामजी के ललितललाम
ग्रन्थ की टीका ।

जिसे

बूंदी राज्य प्रतिष्ठित वालटरकृत राजपूत
हितकारिणी सभा तथा कौंसिल के
मेम्बर श्रीकविराज रावगुलाबसिंहजी
ने कविता प्रेमियों के हितार्थ रची,

और जिसे

बा॰ब॰ रामकृष्णवर्म्मा भारतजीवनसम्पादक
ने उक्त कविराज जी की सहायता से
प्रकाश किया ।

काशी ।

भारतजीवन प्रेस में मुद्रित हुई ।

सम्वत् १९५४ ।

प्रथम बार १०००

मूल्य ॥/